| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए |
| --- | --- | --- |
| 8.8.23 | पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय दौरे/ अवकाश/अन्य राजकार्य मे तशरीफ रखते है। पत्रावली दि 21.8.23 को पेश हो। | |
| 21.8.23 | पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उप० है। वकील प्रार्थी ने अपनी बहस में प्रार्थना पत्र मे वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए खसरा सं. 1251 व 1279/1 वाके ग्राम देई में लक्ष्मण आ० रामकरण के स्थान पर लक्ष्मण आ० भागोता जमाबंदी में दर्ज करने व संशोधन करने हेतु निवेदन किया। प्रार्थना पत्र के सम्बन्ध में तहसीलदार नैनवां से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार ग्राम देई के खाता सं. 1295 पुराना 1239 के खसरा सं. 1251 रकबा 0.2184 है० एवं भूमि खसरा सं. 1279/1 रकबा 1.4481 है० कुल किता 2 कुल रकबा 1.6665 हैक्टेयर भूमि लक्ष्मण पुत्र रामकरण जाति मीना सा० लीलदा खातेदार दर्ज रिकार्ड है। मुताबिक रिपोर्ट पटवारी हल्का डोकून लक्ष्मण 50 वर्षों पूर्व भागोता के गोद गया था तथा लक्ष्मण का वास्तविक पिता रामकरण था/ तथा गोद पिता भागोता है।<br>हमने प्रार्थना-पत्र, शपथ-पत्र, प्रस्तुत रिकार्ड ... तहसीलदार नैनवां की रिपोर्ट का अवलोकन किया। प्रार्थना पत्र LR Act की धारा 136 व 131 व 151 CPC के तहत | |

Signature Not Verified
Digitally signed by Shatrughan Singh Gurjar
Date: 2023.10.10 16:52:45 IST
Reason: SelfAttested

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज | नम्बर व अहकाम हुक्म की में जारी हुए |
|---|---|---|

प्रस्तुत किया गया है। राजस्थान LR Act की धारा 131 नक्शा/तरमीम सम्बन्धित त्रुटियों के संशोधन एवं धारा 136 के तहत रिकार्ड में हुई त्रुटियों को संशोधित किये जाने के सम्बन्ध में है। प्रार्थी अपने प्रार्थना पत्र में गोदपिता का नाम परिवर्तन करवाना (इन्द्राज करवाना) चाहता है, जो राजस्थान LR Act की धारा 131 एवं 136 के तहत मेन्टेनेबल नही है अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 131 एवं 136 LR Act अस्वीकार किया जाता है। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Shatrughan Singh Gurjar
Date: 2023.10.10 15:52:45 IST
Reason: SelfAttested